ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, गुरूवार 29 जनवरी 2026

वर्ष 2 अंक 264

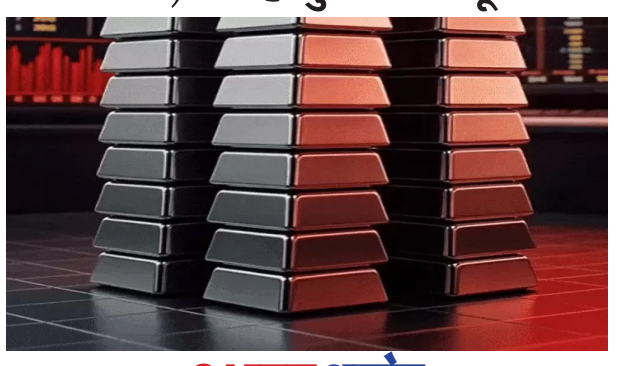
निगम का यूडी टेक्स डंडा सख्ती या 'पिक एंड चूज़ कार्रवाई? पारदर्शिता का ताला क्यों नहीं खोलते???



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में नगर निगम की ओर से नगरीय विकास कर या यूडी टैक्स की वसूली को लेकर दिखाई जा रही सख्ती पहली नजर में तो प्रशासनिक मुस्तैदी लगती है, लेकिन जैसे-जैसे परतें खुलती हैं, वैसे-वैसे सवालों की संख्या भी बढ़ती जाती है। छह संपत्तियों को सीज करने की ताज़ा कार्रवाई ने यह बहस फिर हवा दे दी है कि क्या नगर निगम वास्तव में निष्पक्ष कर-वसूली कर रहा है या फिर यह सब पिक एंड चूज की नीति के तहत हो रहा है। सबसे बड़ा और बुनियादी सवाल यह है कि नगर निगम आज तक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर यह सार्वजनिक सूची क्यों जारी नहीं कर पाया कि किन-किन लोगों पर कितना नगरीय विकास कर बकाया है? अगर निगम वाकई पारदर्शिता के साथ काम करना चाहता है, तो वर्षवार बकायादारों की सूची, अधिकतम कर बकाया (टॉप डिफॉल्टर्स) की जानकारी और उन पर प्रस्तावित कार्रवाई की स्पष्ट टाइमलाइन सार्वजनिक क्यों नहीं की जाती? आज यहां पर सीज की संपत्तियां निगम की ओर से शनिवार को छह संपत्तियों को सीज किया गया, जिनमें सुंदरवास, सज्जन नगर, गोवर्धन विलास, हिरण मगरी और मधुबन जैसे इलाके शामिल हैं। कार्रवाई के बाद दो संपत्ति मालिकों ने तत्काल टैक्स जमा करवा दिया और उनकी संपत्तियों से ताले भी खुल गए। यहीं से यह शंका और गहरी हो जाती है कि क्या यह कार्रवाई वसूली का दबाव है या सिर्फ दिखावटी सख्ती? यदि भुगतान करते ही सीज हट जाता है, तो फिर बड़े और प्रभावशाली बकायादारों पर कार्रवाई कब होगी? शहर में यह चर्चा आम है कि कई ऐसी व्यावसायिक और आवासीय संपत्तियां हैं, जिन पर लाखों-करोड़ों का कर वर्षों से बकाया है, लेकिन उनके नाम कभी भी सीज सूची में नहीं आते। सवाल यह भी है कि क्या प्रभावशाली लोग इस पूरी प्रक्रिया से सुरक्षित दूरी बनाए हुए हैं? यदि निगम के पास पूरा डेटा मौजूद है, तो उसे सार्वजनिक करने में संकोच क्यों? इन प्रश्नों का सार्वजनिक जवाब देने में दिक्कत क्या है?? नगर निगम आयुक्त की ओर से बार-बार यह कहा जा रहा है कि कर वसूली लगातार जारी रहेगी और 31 मार्च तक छूट का लाभ दिया जा रहा है। लेकिन असली मुद्दा छूट का नहीं, विश्वास का है। जब तक निगम यह स्पष्ट नहीं करता कि कार्रवाई का आधार क्या है और किन मानकों पर संपत्तियों को सीज किया जा रहा है, तब तक हर कार्रवाई पर सवाल उठते रहेंगे। शहर का नागरिक यह जानना चाहता है कि क्या कर-वसूली सभी के लिए समान टाइम लाइन पर है? बड़े बकायादारों की सूची सबको बता कर दूध का दूध और पानी का पानी क्यों नहीं किया जाता। क्या नगर निगम खुद पारदर्शिता के उसी पैमाने पर खड़ा है, जिसकी अपेक्षा वह नागरिकों से करता है? जब तक इन सवालों के जवाब सार्वजनिक मंच पर नहीं दिए जाते, तब तक हर सीज कार्रवाई सख्ती नहीं, बल्कि संदेह पैदा करती रहेगी। निगम को चाहिए कि सूची सार्वजनिक करें कि किसका कितना पैसा कितने समय से बकाया है और उस पर कार्रवाई की भी टाइम लाइन बता दें। ऐसे में सबको पता होगा कि अब रडार पर कौन हैं? किसका नंबर आने वाला है। इससे कार्रवाइयों की माथा पच्ची से भी छुटकारा मिल जाएगा।

क्रैश हुई चांदी, 67,000 गिरकर 3.32 लाख पर आईः सोना 15 हजार रुपए सस्ता, 1.54 लाख रुपए पर आया; वजह मुनाफा वसूली



24 न्यूज अपडेट

गोल्ड और सिल्वर मार्केट में आज यानी 30 जनवरी को गिरावट है। सुबह के कारोबार के दौरान प्रॉफिट बुकिंग के कारण MCX पर चांदी 67 हजार रुपए (17%) गिर गई थी। 1 किलो चांदी का भाव 3.32 लाख रुपए पर आ गया था। हालांकि अभी इसमें थोड़ी रिकवरी है और ये 12% की गिरावट के साथ 3.51 लाख पर आ गई है।

MCX पर सोने में भी आज सुबह के कारोबार के दौरान 15 हजार रुपए (9%) की गिरावट थी। 10 ग्राम सोना 1.54 लाख रुपए पर आ गया था। वहीं सोना अब थोड़ा रिकवर हुआ है और ये 3% की गिरावट के साथ 1.64 लाख रुपए पर ट्रेड कर रहा है। सोने और चांदी के ETF में भी आज 23% तक की गिरावट दर्ज की गई है।

वहीं सर्राफा बाजार में चांदी 40,638 रुपए और सोना 9,545 रुपए सस्ता हुआ है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार एक किलो चांदी की कीमत 3,39,350 रुपए किलो पर आ गई है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,65,795 रुपए पर आ गया है।

चांदपोल में होटल–रेस्टोरेंट बने अशांति का केंद्र, पुलिस थाने में प्रदर्शन, ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। चांदपोल क्षेत्र में संचालित होटल एवं रेस्टोरेंटों की अवैधानिक गतिविधियों से त्रस्त स्थानीय नागरिकों का सब्र शनिवार को जवाब दे गया। क्षेत्रवासियों ने एकजुट होकर अंबामाता थाना पहुंचकर थानाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और इलाके में बिगड़ती कानून-व्यवस्था व शांति भंग होने की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई। निवासियों ने बताया कि क्षेत्र के कई होटल व रेस्टोरेंटों में शाम होते ही तेज आवाज में म्यूजिक बजाया जाता है, जो देर रात तक जारी रहता है। इससे न केवल बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, बल्कि बुजुर्गों और कामकाजी लोगों की दिनचर्या भी अस्त-व्यस्त हो गई है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि अनेक प्रतिष्ठानों में बिना वैधानिक अनुमति शराब व अन्य नशीले पदार्थों का खुलेआम सेवन कराया जा रहा है। इसके चलते असामाजिक तत्वों की आवाजाही बढ़ गई है और आए दिन झगड़े, हंगामे व फसाद की स्थिति बन रही है, जो किसी भी समय गंभीर आपराधिक घटना का रूप ले सकती है। क्षेत्रवासियों ने यह मुद्दा भी उठाया कि होटल-रेस्टोरेंट में आने वाले लोग अपने वाहन मनमाने ढंग से आवासीय मकानों के बाहर खड़े कर देते हैं। इससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पूर्व में संचालित महाराणा संस्कृत महाविद्यालय परिसर के आसपास देर रात तक युवाओं द्वारा नशीले पदार्थों के सेवन से क्षेत्र का माहौल लगातार बिगड़ता जा रहा है, जिससे सामाजिक शांति और सुरक्षा पर सीधा असर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने मांग की कि होटल एवं रेस्टोरेंट के मूल संपत्ति मालिकों को भी जवाबदेह बनाया जाए और उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य किया जाए कि किराए या लीज पर दी गई संपत्तियों में किसी प्रकार की अवैध गतिविधि न हो। वीकेंड और अवकाश के दिनों में अत्यधिक भीड़ व बेतरतीब वाहन पार्किंग के कारण क्षेत्र में लगातार जाम की स्थिति बनी रहती है। इसका खामियाजा मरीजों, विद्यार्थियों और कार्यालय जाने वाले नागरिकों को भुगतना पड़ता है। कई बार आपात स्थिति में मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा तक नहीं मिल पाती। क्षेत्रवासियों ने पुलिस प्रशासन से नियमित गश्त, ध्वनि प्रदूषण पर सख्त नियंत्रण, अवैध नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था लागू करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

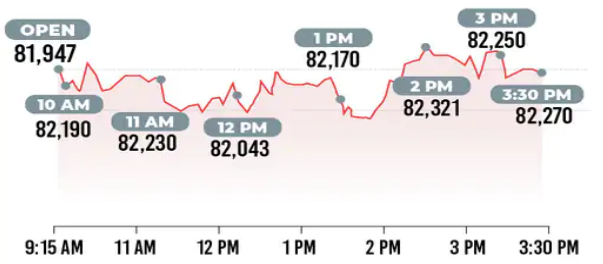
चार-चार बच्चों की मां प्रेमी संग भाग रही, हजारों लड़कियां भाग रही। विधानसभा में कांग्रेस विधायक का सनसनीखेज बयान।



24 न्यूज अपडेट

विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक नरेंद्र बुडानिया का एक बयान आज पूरे देश में वायरल हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जो समाज को शर्मसार करने वाली हैं। लड़कियों के घर से भागने की बढ़ती प्रवृत्ति ने माता-पिता की नींद उड़ा दी है। बुडानिया ने यहां तक कहा कि कई मामलों में चार-चार बच्चों की मां भी प्रेमी के साथ भाग रही हैं। उन्होंने सदन में उदाहरण देते हुए बताया कि जब पुलिस भागी हुई लड़कियों को वापस लाती है, तो कई बार वे अपने ही माता-पिता को पहचानने से इनकार कर देती हैं। विधायक ने इसे माता-पिता के लिए "मरण से भी बड़ी पीड़ा" बताया और कहा कि ऐसी घटनाओं के बाद कुछ परिवारों में आत्महत्या जैसे दर्दनाक कदम तक उठाए गए हैं। बुडानिया ने कहा कि यह केवल किसी एक पार्टी या सरकार का मुद्दा नहीं है, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने केंद्र सरकार के कानूनों और सुप्रीम कोर्ट की रूलिंग का जिक्र करते हुए सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि मिलकर ऐसा रास्ता निकाला जाए, जिससे लड़कियों के भागने की प्रवृत्ति पर रोक लग सके।

सेंसेक्स 296 अंक गिरकर 82,269 पर आयाः निफ्टी में 98 अंकों की गिरावट; मेटल और आईटी शेयरों में बिकवाली, FMCG में खरीदारी



24 न्यूज अपडेट

बजट से दो दिन पहले आज 30 जनवरी को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 296 अंक (0.36%) गिरकर 82,269 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 98 अंक (0.39%) की गिरावट रही, ये 25,320 पर बंद हुआ। मेटल शेयर सबसे ज्यादा टूटे हैं। FMCG में खरीदारी रही।

निफ्टी बैंक इंडेक्स पर भी दबाव रहा। ये 347अंक (0.58%) गिरकर 59,610 के लेवल पर आ गया है। वहीं एक्सपर्ट्स का मानना है कि निफ्टी में अभी और तेजी की गुंजाइश है और यह ऊपर में 25,600 के लेवल तक जा सकता है। 25,450 पहला लेवल है जिस पर नजर रखनी होगी।

दिवेर हत्याकांड में आजीवन कारावासः बेटे की हत्या का दोषी पिता करार, जिला एवं सत्र न्यायालय का सख्त फैसला, 50 हजार का जुर्माना भी लगाया



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। राजसमंद जिले के दिवेर थाना क्षेत्र में वर्ष 2023 में हुए सनसनीखेज हत्याकांड में जिला एवं सत्र न्यायालय ने शुक्रवार को अपना फैसला सुनाते हुए आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अल्का शर्मा ने मामले में आरोपी देवीसिंह को दोषी मानते हुए उसे उम्रकैद की सजा से दंडित किया है। न्यायालय ने आरोपी पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी आरोपित किया है। अर्थदंड जमा नहीं कराने की स्थिति में उसे छह माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। नशे की हालत में हुआ था विवाद लोक अभियोजक रामलाल जाट ने बताया कि इस मामले में परिवादी उगमसिंह निवासी छापली ने 21 जून 2023 को दिवेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 20 जून 2023 की रात करीब 11 से 11.30 बजे के बीच आरोपी देवीसिंह नशे की हालत में घर पर परिवारजनों के साथ गाली-गलौज कर रहा था।

बेटे ने रोका, बढ़ गया विवाद

परिजनों के साथ झगड़ा होते देख आरोपी के पुत्र चैनसिंह ने हस्तक्षेप कर उसे रोकने का प्रयास किया, जिससे विवाद और अधिक बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान देवीसिंह गुस्से में आकर लकड़ी लेकर आया और बेटे पर हमला कर दिया। लकड़ी से किया जानलेवा हमला अभियोजन के अनुसार, आरोपी ने लकड़ी से चैनसिंह की कनपटी और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर वार किए। हमले में चैनसिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल छापली के अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। 13 गवाह, 28 दस्तावेज पेश घटना के बाद पुलिस ने मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच पूरी की और न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 13 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए तथा 28 दस्तावेज न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए।

महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि, मोदी ने श्रद्धांजलि दीः राहुल गांधी बोले- राष्ट्रपिता का मंत्र था सत्ता से बड़ी सत्य की ताकत



24 न्यूज अपडेट

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आज 78वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी समेत कई बड़े नेताओं ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा - राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर मेरा शत-शत नमन। पूज्य बापू का हमेशा स्वदेशी पर बल रहा, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का भी आधारस्तंभ है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व देशवासियों को कर्तव्य पथ पर चलने के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा।

लोकसभा में नेता विपक्ष कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने X पोस्ट में लिखा- राष्ट्रपिता ने हमें मूलमंत्र दिया कि सत्ता की ताकत से बड़ी सत्य की शक्ति होती है।

शुक्रवार शाम को पीएम मोदी और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन दिल्ली में गांधी स्मृति पहुंचे। यहां प्रार्थना सभा में शामिल हुए। पीएम और उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रपिता गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की।

पेटीएम का मुनाफा तीसरी तिमाही में 225 करोड़ रहाः कंपनी का रेवेन्यू 20% बढ़ा, अच्छे रिजल्ट के बाद भी शेयर 3% गिरा



24 न्यूज अपडेट

पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (Q3) के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर बढ़कर 225 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 208 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था।

कंपनी का रेवेन्यू भी सालाना आधार पर 20% बढ़कर 2,194 करोड़ पर पहुंच गया है। पिछले साल की समान तिमाही में यह 1,828 करोड़ रुपए रहा था। हालांकि, इन मजबूत नतीजों के बावजूद शेयर बाजार में कंपनी के प्रति सेंटीमेंट थोड़ा कमजोर दिखा और आज इसके शेयर करीब 3% तक फिसल गए।

संपादकीय : समीक्षा के संकेत

हर साल संसद में पेश होने वाली आर्थिक समीक्षा आमतौर पर इस बात का ब्योरा होती है कि पिछले बजट में देश की अर्थव्यवस्था और अन्य मोर्चे पर सुधार के लिए जो वादे किए गए थे, वे किस हद तक पूरे किए जा सके। यह इसका भी संकेत होता है कि अगले वित्त वर्ष में सरकार के आर्थिक फैसलों में किन मसलों को प्राथमिकता मिल सकती है। इस लिहाज से देखें तो वित्त मंत्री ने जो आर्थिक समीक्षा पेश की है वह देश की परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खड़ी हो रही आर्थिक चुनौतियों के बीच उम्मीद जगाती है, लेकिन यह आने वाले वक्त के जोखिमों के प्रति आगाह भी करती है। समीक्षा में वित्त वर्ष 2026-27 में सकेल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 6.8 फीसद से 7.2 फीसद के बीच रहने का अनुमान जताया गया है। विदेशी पूंजी प्रवाह में कमी के कारण रुपए पर प्रतिकूल असर और बीते वर्ष भारतीय मुद्रा में कमजोरी के बावजूद यह अनुमान अर्थव्यवस्था में स्थिरता का संकेत देता है। हालांकि समीक्षा में विकसित भारत और वैश्विक प्रभाव का लक्ष्य हासिल करने के उद्देश्य से मजबूत और स्थिर मुद्रा को एक स्वाभाविक जरूरत बताने के समांतर रुपए के मूल्य में गिरावट को हानिकारक नहीं माना गया, क्योंकि यह भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क में इजाफे के असर को कुछ हद तक कम करता है। दूसरी ओर, यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर यह उम्मीद जताई गई है कि यह भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मक निर्यात और रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। समीक्षा के मुताबिक, अनिश्चित वैश्विक माहौल में भारत को घरेलू वृद्धि को प्राथमिकता देने की जरूरत है। और इसके लिए वित्तीय सुरक्षा उपायों और नकदी पर ज्यादा जोर देना चाहिए। जाहिर है, वैश्विक आर्थिक मोर्चे पर तेजी से बदलते समीकरण और भू-राजनीतिक परिदृश्य के मद्देनजर भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए अपने हितों के अनुकूल उपाय करने होंगे। आर्थिक समीक्षा में नवोन्मेष और वैश्विक पहलकदमियों को कमजोर किए बिना दक्षता और स्वदेशी को अपनाने का आह्वान किया गया है, जो निश्चित रूप से आत्मनिर्भरता की संभावनाओं को मजबूत करेगा। कृषि क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा है। इस बिंदु पर सर्वेक्षण में यह कहा गया है कि कृषि निर्यात में व्यापार नीति का उपयोग कीमतों और उत्पादन में अस्थिरता के बीच अल्पकालिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जाता है। मगर बार- चार नीतिगत बदलाव आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करते हैं। यह देखने की बात होगी कि समीक्षा में जाहिर इस चिंता के संदर्भ में बजट की क्या दिशा होती है। यों, महंगाई का असर नरम रहने और अगले वर्ष भी चिंता का बड़ा कारण नहीं बनने को लेकर उम्मीद जताई गई है। समीक्षा में अस्थायी कामगारों के लिए काम से जुड़ी शर्तें नए सिरे से तय करने के उद्देश्य से नीति लाने की जरूरत पर जोर दिया गया है। इसके अलावा, नागरिकों की सेहत की सुरक्षा महेनजर अधिक बसा और चीनी वाले अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की बढ़ती खपत पर चिंता जताई गई है और इन उत्पादों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव भी दिया गया है। आर्थिक समीक्षा में कई राज्यों में लोकलुभावन घोषणाओं और नकद अंतरण के कारण राजस्व घाटा बढ़ने को लेकर भी चिंता जताई गई। सवाल है कि जिस दौर में मुफ्त सुविधाओं की घोषणा को चुनावी जीत का जरिया बनाने की प्रवृत्ति हावी हो रही हो, उसमें बजट में क्या कोई ऐसी घोषणा सामने आ सकती है, जो इस पर लगाम लगाए !

लापरवाही के जिम्मेदार

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में पानी में डूब कर एक युवा इंजीनियर की मौत के मामले में अधिकारियों की कार्यशैली पर उठे सवालों के बीच विशेष जांच दल (एसआइटी) ने सरकार को अपनी रपट सौंप दी है। उसने बचाव कार्य में घोर लापरवाही की ओर इशारा करते हुए बारह से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहराया है। यह बेहद दुखद है कि एक नौजवान जान बचाने के लिए करीब डेढ़ घंटे तक गुहार लगाता रहा और बचाव दल मौके पर मूकदर्शक बने रहे। एसआइटी ने इसे गंभीर मानते हुए दमकल, पुलिस, प्राधिकरण और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की भूमिका पर सवालिया निशान लगाए हैं। किसी घटना के तूल पकड़ लेने के बाद सरकार की ओर से जांच और कार्रवाई को लेकर गंभीर दिखने की कोशिश की जाती है, लेकिन कार्रवाई के निशाने पर आमतौर पर निचले स्तर के कर्मचारी आते हैं, जबकि वास्तविक जिम्मेदार लोगों को कठघरे में नहीं किया जाता। इस लिहाज देखें तो नोएडा में युवक के पानी में डूब जाने की घटना के बाद एसआइटी में ने जिस तरह बारह अधिकारियों के खिलाफ अपनी रपट दी है, वह समस्या की जड़ों को पकड़ने की कोशिश है। सवाल है कि सड़क किनारे किसी बड़े गड्ढे में पानी भरा हो, तो उसकी अनदेखी की मूल जिम्मेदारी किस पर जाती है। दरअसल, समस्या और उसके मूल कारणों के साथ-साथ वास्तविक जिम्मेदार लोगों की पहचान और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई वक्त की जरूरत है। विडंबना यह है कि निर्माण स्थलों के पास पानी से भरे बड़े गड्ढों से लेकर कई बड़े नाले महीनों तक खुले रहते हैं और वहां अवरोधक, चेतावनी के संकेत का सुरक्षा घेरा लगाने या अन्य कोई सुरक्षात्मक उपाय करना जरूरी नहीं समझा जाता। क्या इसी अनदेखी का नतीजा कई बार त्रासद नहीं होता ? क्या यह उच्च स्तर के अधिकारियों की लापरवाही का नतीजा नहीं होता ? हादसे के बाद आमतौर पर सभी अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने लगते हैं। ऐसे में एसआइटी ने जिस तरह बारह अधिकारियों को जिम्मेदार बताया है, वह भविष्य में ऐसी घटनाओं या हादसों को रोकने के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

डबोक में दूसरे दिन भी खुलती रहीं फाइलें: गहलोत के करीबी खोड़निया ग्रुप पर CGST की सख्त निगरानी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजनीति, कारोबार और जांच एजेंसियों के त्रिकोण में एक बार फिर डबोक केंद्र में आ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी माने जाने वाले कांग्रेस नेता दिनेश खोड़निया की फर्मों पर गुड्स एंड सर्विस टैक्स (CGST) की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। उदयपुर-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर स्थित डबोक क्षेत्र का केआरई अरिहंत कार्यालय गुरुवार दोपहर से ही जांच एजेंसियों की निगरानी में है। सूत्रों के अनुसार CGST की टीम ने मौके पर पहुंचकर न सिर्फ दस्तावेज खंगाले, बल्कि फर्म से जुड़े कई लोगों से लंबी पूछताछ भी की। कागजों का पुलिंदा, डिजिटल रिकॉर्ड और कारोबारी लेन-देन—सब कुछ एजेंसी की कसौटी पर कसा जा रहा है। राजनीतिक पहचान और कारोबारी फैलाव दिनेश खोड़निया डूंगरपुर जिले में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के सदस्य हैं। राजनीति के साथ-साथ उनका ज्वेलरी और रियल एस्टेट का बड़ा कारोबार है, जो सागवाड़ा समेत प्रदेश के कई हिस्सों में फैला हुआ है। समूह के संचालन की कमान उनके बेटे आदिश खोड़निया के हाथों में है। CGST की यह कार्रवाई ऐसे समय सामने आई है, जब खोड़निया परिवार पहले से ही केंद्रीय एजेंसियों की रडार पर रहा है। दिसंबर 2024 में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने डूंगरपुर जिले के सागवाड़ा स्थित उनके आवास और कार्यालयों पर छापेमारी की थी। उससे पहले अक्टूबर 2023 में भी ईडी ने उनके सागवाड़ा ऑफिस में तलाशी ली थी—तब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी।

पुराने मामलों की गूंज

2023 की ईडी कार्रवाई का तार कथित पेपर लीक प्रकरण और बाबूलाल कटारा प्रकरण से जुड़ा बताया गया था। उसी पृष्ठभूमि में अब CGST की यह ताजा कार्रवाई कई सवाल खड़े कर रही है—क्या यह महज कर अनियमितताओं की जांच है, या फिर पुराने मामलों की कड़ियाँ नए सिरे से जोड़ी जा रही हैं? खोड़निया परिवार का स्थानीय राजनीति में भी प्रभाव रहा है। उनके भाई नरेंद्र खोड़निया सागवाड़ा नगर पालिका के अध्यक्ष रह चुके हैं। ऐसे में जांच एजेंसियों की लगातार सक्रियता ने डूंगरपुर-उदयपुर अंचल की राजनीतिक हलचल को भी तेज कर दिया है।

त्रिपुरा सुंदरी मंदिर धर्मशाला में छिपा था करोड़ों का भगोड़ा, पास ही सो रही थी CBI



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। त्रिपुरा सुंदरी मंदिर की धर्मशाला में एक भगोड़ा शांति से सो रहा था—और उसके ठीक बगल के कमरे में पूरी रात उसे पकड़ने की तैयारी चल रही थी। गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात यह धर्मशाला केवल श्रद्धालुओं की नहीं, बल्कि सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI) की रणनीति का केंद्र बनी रही। करीब एक दशक से बैंकों को करोड़ों का चूना लगाने वाला कुख्यात आरोपी संजीव दीक्षित आखिरकार CBI के जाल में फंस गया। आरोपी ने अपनी पहचान बदल रखी थी और 'संजय भारद्वाज' के नाम से मंदिर की धर्मशाला के कमरे नंबर 54 में पिछले तीन दिनों से ठहरा हुआ था। हैरानी की बात यह रही कि जिस वक्त वह निश्चिंत होकर सो रहा था, उसी वक्त उसके बगल के कमरे नंबर 53 में CBI की टीम पूरी रात निगरानी में डटी हुई थी। CBI को इनपुट मिला था कि 20 से 25 करोड़ रुपए की बैंक ठगी का आरोपी नाम बदलकर त्रिपुरा सुंदरी मंदिर क्षेत्र में छिपा है। गुरुवार रात करीब 9 बजे टीम बांसवाड़ा पहुंची, धर्मशाला की पड़ताल की और सटीक पहचान के बाद दिन निकलने तक इंतजार करने की रणनीति बनाई। शुक्रवार तड़के करीब 5 बजे बांसवाड़ा पुलिस के जाब्ते के साथ CBI ने कार्रवाई कर 10 साल से फरार आरोपी को धर दबोचा। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से पांच मोबाइल फोन और कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद किए गए हैं, जिनसे ठगी के नेटवर्क से जुड़े अहम सुराग मिलने की संभावना जताई जा रही है। नाम बदले, दस्तावेज बदले ठगी की पूरी पाठशाला उत्तर प्रदेश के बागपत जिले का रहने वाला संजीव दीक्षित ठगी की दुनिया का पुराना खिलाड़ी है। उसने पंकज भारद्वाज, संजय शर्मा और अन्य कई नामों से फर्जी दस्तावेज तैयार कर बैंकों से लोन लिया और रकम हड़प ली। खुद को कभी ज्योतिष तो कभी कारोबारी बताकर वह वर्षों तक एजेंसियों को चकमा देता रहा। CBI ने इसी नेटवर्क से जुड़े एक अन्य मामले में आरोपी की पत्नी आरती शर्मा को वडोदरा से गिरफ्तार किया है, जिससे यह साफ होता है कि ठगी का यह खेल अकेले नहीं, बल्कि संगठित तरीके से खेला जा रहा था। कस्टडी से फरारी और भगोड़ा घोषित होने की कहानी संजीव दीक्षित के खिलाफ साल 2013 में फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंक लोन लेने का मामला दर्ज हुआ था। 2014 में CBI ने उसे गिरफ्तार भी किया, लेकिन 2016 में वह सोनीपत पुलिस की कस्टडी से फरार हो गया। एक साल तक गिरफ्त से बाहर रहने के बाद 2017 में CBI कोर्ट ने उसे आधिकारिक तौर पर भगोड़ा घोषित कर दिया। दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

दिल्ली नंबर की कार, बीकानेर कनेक्शन

सूत्रों के अनुसार आरोपी दिल्ली पासिंग नंबर की कार से त्रिपुरा सुंदरी मंदिर पहुंचा था। यह कार बीकानेर के एक व्यक्ति के नाम से पंजीकृत बताई जा रही है। फिलहाल वाहन को सदर थाना परिसर में खड़ा करवाया गया है और इसकी जांच की जा रही है। अब कोर्ट से दिल्ली तक की राह गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से ट्रांजिट रिमांड मिलने पर CBI उसे पहले वडोदरा और फिर दिल्ली ले जाएगी। पूछताछ में ठगी के पूरे नेटवर्क, बैंकिंग लूपहोल और सहयोगियों के नाम उजागर होने की उम्मीद है।

बिना सूचना पेड़ छंगाई, चली गई मजदूर की जान, स्टेनवर्ड स्कूल पर सवाल



24 न्यूज अपडेट

सुखाड़िया यूनिवर्सिटी रोड पर आज द स्टेनवर्ड स्कूल में सुबह एक मजदूर की लापरवाही की भेंट चढ़कर दर्दनाक मौत हो गई। पेड़ की छंगाई ऊपर से गुजरती 33 केवी हाईटेंशन लाइन और नीचे जान जोखिम में डालकर काम करता एक मजदूर। सुबह करीब 10 बजे मजदूर पेड़ पर चढ़ा हुआ था। पेड़ से महज 8 से 10 फीट की दूरी पर हाईटेंशन लाइन गुजर रही थी। छंगाई के दौरान काटी गई एक डाली सीधे जाकर बिजली लाइन से टकराई। डाली हटाने की कोशिश की और अगले ही पल— मजदूर हाई वोल्टेज करंट से चिपक गया। करंट इतना जबरदस्त था कि मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, और उसका शव बहुत देर तक पेड़ में ही फंसा रहा। नीचे लोग चीखते रहे भीड़ जमा होती रही लेकिन सवाल ये है कि बिजली आखिर क्यों चालू थी? अशोक नगर बिजली विभाग के एईएन ने कहा है कि नियमों के मुताबिक, बिजली लाइन के पास पेड़ काटने से पहले स्कूल प्रबंधन को लिखित सूचना देना जरूरी था, ताकि सप्लाई बंद की जा सके। लेकिन— द स्टेनवर्ड स्कूल ने कोई सूचना नहीं दी। नतीजा— एक मजदूर की जान चली गई। हादसे के बाद स्कूल प्रबंधन ने पुलिस और बिजली विभाग को फोन किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। करीब आधे घंटे बाद बिजली सप्लाई बंद कराई गई। भूपालपुरा थाना पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे, शव को नीचे उतरवाया गया और एमबी हॉस्पिटल मोर्चरी भेजा गया। अब सवाल बेहद गंभीर हैं कि क्या बिना सुरक्षा इंतजाम के हाईटेंशन लाइन के नीचे मजदूर से काम कराना सीधी आपराधिक लापरवाही नहीं है? क्या स्कूल प्रबंधन इस मौत की जिम्मेदारी से बच पाएगा? और बड़ा सवाल— क्या एक मजदूर की जान की कीमत इतनी सस्ती है कि नियमों को नजरअंदाज कर दिया जाए? बिजली विभाग जांच की बात कर रहा है पुलिस पड़ताल में जुटी है लेकिन जवाबदेही तय होगी या नहीं— यह सबसे बड़ा सवाल है।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनान्तर्गत में तिथि 28 फरवरी तक बढ़ाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 जनवरी। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनान्तर्गत शिक्षण संस्थाओं के लिये पोर्टल पुनः शुरू कर दिया गया है। इससे पूर्व उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजना से संबंधित शिक्षण संस्थाओं के लिये छात्रवृति पोर्टल पर पंजीयन/नवीनीकरण, कोर्स मैपिंग, मान्यता पाठ्यक्रमवार फीस स्ट्रक्चर आदि सूचनाएं अपडेट करने के लिये पोर्टल पर व्यवस्था शुरू कर दी गई थी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर ने बताया कि समस्त शिक्षण संस्थाएं अपनी संस्था से संबंधित सूचनायें एवं दस्तावेजों की निर्धारित स्थान एवं निर्देशानुसार पूर्ति करना सुनिश्चित करें। सूचना सबमिट करने से पूर्व विशेष रूप से जाँच लें कि सभी सूचना पूर्ण एवं सही भरी जावें। आवश्यक दस्तावेज एवं फीस की सूचना भी सही रूप में दर्ज करें ताकि बाद में कठिनाई नहीं आवें। उक्त सूचना अद्यत्तन का कार्य 28 फरवरी 2026 तक किया जा सकेगा। इसके साथ ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की स्कॉलरशिप योजना में छात्रों द्वारा आवेदन की तिथि भी 28 फरवरी 2026 तक बढ़ा दी है। इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विशेष समूह योजना (पूर्व में विशेष पिछड़ा वर्ग), अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक पिछड़ा वर्ग, विमुक्त सहित अन्य छात्रवृति योजनाओं में आवेदन कर सकेंगे। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के छात्रवृति के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि पहले 31 जनवरी 2026 तक बढाई थी, अब विद्यार्थी 28 फरवरी 2026 तक एसएसओ पोर्टल पर ऑनलाइन छात्रवृति आवेदन कर सकेंगे। साथ ही संस्था द्वारा भी अपनी सूचनायें पोर्टल पर 28 फरवरी 2026 तक अद्यतन की जा सकेगी।

उदयपुर में 12 से 18 मार्च तक राज्य स्तरीय मुखौटा कार्यशाला

जनजातीय कलाकारों को मिलेगा प्रोत्साहन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 जनवरी। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से माणिक्य लाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरआई), उदयपुर की ओर से 12 से 18 मार्च तक राज्य स्तरीय "मुखौटा कार्यशाला" का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के निदेशक ओ.पी. जैन ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य जनजातीय समुदायों की पारंपरिक कला को प्रोत्साहन देना तथा आमजन को मुखौटा निर्माण की पारंपरिक विधियों से अवगत कराना है। कार्यशाला में चयनित जनजातीय कलाकार भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतिभागी कलाकारों को रंग, ब्रश सहित आवश्यक कला सामग्री संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। कलाकारों द्वारा प्रयोग में लाई जाने वाली विशेष पारंपरिक सामग्री का भुगतान नियमानुसार किया जाएगा। प्रतिभागियों को टिकट प्रस्तुत करने पर न्यूनतम दूरी के अनुसार थर्ड एसी ट्रेन या स्लीपर बस का किराया दिया जाएगा। अधिकतम दो दिन के लिए 400 रुपये प्रतिदिन दैनिक भत्ता भी देंगे। प्रत्येक कलाकार को 5,600 रुपये मानदेय दिया जाएगा। आवास व भोजन की व्यवस्था संस्थान द्वारा की जाएगी। संबंधित जिलों से पारंपरिक मुखौटा निर्माण में दक्ष जनजातीय कलाकारों के नाम 10 फरवरी तक निर्धारित प्रारूप में भेजने का आग्रह किया है।



गिवअप अभियान : उदयपुर में अब तक 1.91 लाख से किया गिवअप, स्वेच्छा से नाम हटवाने की अंतिम तिथि 28 फरवरी तक



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 जनवरी। खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्रों को हटाने तथा वंचित पात्र लोगों को जोड़ने के लिए राज्य सरकार की ओर से चलाए जा रहे गिवअप अभियान के तहत उदयपुर जिले में अब तक 1.91 लाख से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से अपना नाम हटवा लिया है। अभियान के तहत स्वेच्छा से नाम हटवाने की अवधि 28 फरवरी तक है।

जिला रसद अधिकारी मनीष भटनागर ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के मार्ग दर्शन में राज्य सरकार निरन्तर वंचित वर्गा के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री सुमित गोदरा के स्पष्ट निर्देश है कि अंतिम पक्ति में खडे लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाये ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सके। खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के संबंध में निर्धारित मापदण्ड़'' राजस्थान खाद्य सुरक्षा नियम 2023 अनुसूची-1'' में ऐसे परिवार जिसमें कोई आयकर दाता हो। परिवार जिसका कोई सदस्य सरकारी/अर्द्व सरकारी / स्वायत्त शासीसंस्थाओं में कर्मचारी हो, एक लाख से अधिक वार्षिक पारिवारीक आय हो अथवा परिवार में किसी सदस्य के पास चार पहिया वाहन हो (ट्रेक्टर आदि जीविकोपार्जन में प्रयुक्त वाहन को छोड़कर) निष्कासन सूची में शामिल हैं।

श्री भटनागर ने बताया कि 01 नवम्बर 2024 से प्रारंभ गिवअप अभियान में अब तक राजस्थान में लगभग 22 लाख 32 हजार व्यक्तियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना से लाभ छोड़ा जिससे राज्य सरकार पर वार्षिक 409. 39 करोड की राशि का वित्तीय भार कम होगा। इस क्रम में उदयपुर जिले में कुल 17 हजार 254 आवेदन प्राप्त हुये तथा कुल 1 लाख 91 हजार 583 लोगों द्वारा गिवअप किया गया। अभियान के तहत उदयपुर जिले में कुल 2289 अपात्र लोगों को नोटिस जारी किये गये जिन से वसूली की कार्यवाही की जायेगी।

अभियान में प्रत्येक उचित मूल्य की दुकानपर खाद्य विभाग के प्रवर्तन अधिकारी व प्रवर्तन निरीक्षकों को औचक निरीक्षण करने के साथ ही खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगो को नोटिस जारी किये जाने के आदेश प्रदान किये गये है। खाद्य विभाग द्वारा शीघ्र ही परिवहन विभाग से चार पहिया वाहन स्वामी का डाटा संकलित कर खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगों को नोटिस जारी किया जाएगा।

राजस्थान इंटेलिजेंस की बड़ी कार्रवाईः पोकरण से आईएसआई एजेंट गिरफ्तार, सेना की गोपनीय सूचनाएं भेजने का आरोप



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 30 जनवरी। राजस्थान पुलिस की इंटेलिजेंस विंग ने सरहदी जिले जैसलमेर के पोकरण क्षेत्र में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के लिए जासूसी करने के आरोप में पुलिस ने एक स्थानीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी भारतीय सेना से जुड़ी सामरिक महत्व की गोपनीय सूचनाएं सीमा पार भेजने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त पाया गया है।

सोशल मीडिया के जरिए पाक हैंडलर्स के संपर्क में था आरोपी

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस इंटेलिजेंस श्री प्रफुल्ल कुमार ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि राज्य में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। इसी दौरान इंटेलिजेंस को सूचना मिली कि पोकरण के थाना सांकड़ा अंतर्गत नेडान गांव निवासी झबराराम पुत्र भाना राम (28 वर्ष) की गतिविधियां संदिग्ध हैं। तकनीकी जांच में सामने आया कि आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार पाक हैंडलर्स के संपर्क में बना हुआ था।

ऐसे आईएसआई के जाल में फंसा झबराराम पूछताछ और मोबाइल के तकनीकी परीक्षण में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपी झबराराम को पाक एजेंसियों ने हनीट्रैप और धनराशि का लालच दिया था। इस लालच में आकर वह भारतीय सेना से संबंधित संवेदनशील सूचनाएं साझा कर रहा था। इतना ही नहीं, उसने अपने नाम से जारी सिम कार्ड का ओटीपी पाक हैंडलर्स को देकर व्हाट्सएप एक्टिवेट करवाया, जिसका उपयोग देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा रहा था।

एडीजी श्री कुमार ने बताया कि संदेह पुख्ता होने पर झबराराम को केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र, जयपुर लाया गया। यहाँ राजस्थान पुलिस, मिलिट्री इंटेलिजेंस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने उससे संयुक्त रूप से कड़ी पूछताछ की। अपराध प्रमाणित पाए जाने पर राजस्थान इंटेलिजेंस ने शासकीय गुप्त बात अधिनियम 1923 के तहत मामला दर्ज कर शुक्रवार 30 जनवरी को उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया।

अशोकनगर में 31 जनवरी को विराट हिंदू महासम्मेलन, तैयारियां जोरों पर, जनसंपर्क अभियान तेज, भव्य वाहन रैली के जरिए दिया गया निमंत्रण



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। विराट हिंदू महासम्मेलन की श्रृंखला के अंतर्गत अशोकनगर में 31 जनवरी 2026 को एक विशाल हिंदू धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा। यह महासम्मेलन नवभारत स्कूल परिसर में आयोजित होगा। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। महासम्मेलन के संयोजक अनिल नाहर ने बताया कि आयोजन की तैयारी के तहत विभिन्न क्षेत्रों में टोली बनाकर घर-घर संपर्क किया जा रहा है। समाजजनों को पत्र वितरण एवं पीले चावल देकर महाप्रसादी और धर्मसभा में आमंत्रित किया जा रहा है। सम्मेलन में अशोकनगर, आनंद नगर, शिव पार्क कॉलोनी, शक्तिनगर, श्रीराम बस्ती एवं शास्त्री सर्कल क्षेत्र को सम्मिलित किया गया है। इन क्षेत्रों में निवास करने वाले समस्त हिंदू समाज के महिला-पुरुषों से अधिकाधिक संख्या में सहभागिता की अपील की गई है। कार्यक्रम के उप-संयोजक दीपक गोदा ने जानकारी दी कि महासम्मेलन के प्रचार-प्रसार के लिए गुरुवार को एक भव्य वाहन रैली का आयोजन किया गया। वाहन रैली के संयोजक मोहन सिंह एवं विजय आहूजा के नेतृत्व में युवाओं की टीम ने पूरे क्षेत्र में भ्रमण कर महाप्रसादी एवं विशाल धर्मसभा का निमंत्रण पत्र वितरित किया। भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी राजेंद्र खोखावत, नरेश चित्तौड़ा, ललित चित्तौड़ा सहित 15 सदस्यों की टीम को सौंपी गई है, जो आयोजन की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रही है। कार्यक्रम के सह-संयोजक कमलेश धुप्पड़ ने बताया कि धर्मसभा में ब्रह्मचारी गुरु श्री गुलाब दास जी महाराज (झाड़ोल वाले) पधारेंगे, जो हिंदू राष्ट्र की अवधारणा एवं हिंदू समाज की एकता पर अपने विचार रखेंगे। उप-संयोजक गुरमुख जी कस्तूरी ने बताया कि आयोजन स्थल नवभारत स्कूल परिसर को भगवान राम की भव्य झांकी, श्रीराम के चित्रों एवं आकर्षक ध्वज-पताकाओं से सजाया जाएगा। तैयारियों के तहत नरेंद्र नलवाया, मुकेश धाबाई, राजू सालवी, संदीप गोयल, विजय गोदा सहित पूरी टीम प्रत्येक मोहल्ले में सक्रिय रूप से जनसंपर्क कर रही है। महासम्मेलन से एक दिन पूर्व आयोजित वाहन रैली के माध्यम से संबंधित क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया, जिससे आयोजन को लेकर समाज में उत्साह का वातावरण बना हुआ है। सफल वाहन रैली के लिए विजय आहूजा ने सभी देशभक्तों का आभार व्यक्त किया।

डेढ़ लाख की रिश्वत का पैसा कर दिया गायब, कोर्ट ने एक दिन के रिमांड पर भेजा



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। ऑनलाइन ठगी के एक मामले में एफआईआर दर्ज न करने के बदले रिश्वत वसूलने का आरोप दोवड़ा थाना पुलिस पर भारी पड़ गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने दोवड़ा थाने के हेड कॉन्स्टेबल अशोक कुमार पाटीदार और कॉन्स्टेबल प्रकाश पाटीदार को रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार कर विशेष अदालत में पेश किया, जहां से दोनों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया गया। एसीबी की जांच फिलहाल डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत राशि की बरामदगी पर केंद्रित है। हालांकि गिरफ्तारी के बावजूद दोनों आरोपी पुलिसकर्मियों ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि रिश्वत की रकम कहां छुपाई गई या किसे सौंपी गई। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, दोनों से लगातार पूछताछ की जा रही है, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। रिश्वत लेकर कार से फरार हुए थे आरोपी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, डूंगरपुर के उप अधीक्षक रतनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि दोनों पुलिसकर्मियों को लोकेंटो ऐप के जरिए की गई ऑनलाइन ठगी के एक प्रकरण में एफआईआर दर्ज नहीं करने के एवज में 1.50 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था।

हालांकि गिरफ्तारी के समय दोनों आरोपी कार में सवार होकर मौके से निकल गए थे, जिससे रिश्वत की राशि एसीबी के हाथ नहीं लग सकी।

अब बरामदगी और नेटवर्क पर फोकस

एसीबी ने दोनों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को विशेष एसीबी न्यायालय, उदयपुर में पेश किया। न्यायालय ने हेड कॉन्स्टेबल अशोक पाटीदार और कॉन्स्टेबल प्रकाश पाटीदार को एक दिन के रिमांड पर सौंपते हुए एसीबी को रिश्वत राशि की बरामदगी और पूरे लेन-देन की जांच की अनुमति दी है। एसीबी अब यह भी खंगाल रही है कि रिश्वत की रकम किसी तीसरे व्यक्ति तक पहुंचाई गई या किसी ठिकाने पर छुपाई गई, साथ ही यह मामला किसी बड़े नेटवर्क से तो नहीं जुड़ा है। दोनों आरोपियों को शनिवार को पुनः एसीबी कोर्ट में पेश किया जाएगा।

वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स–2.0 में आईसीएआई उदयपुर शाखा की सशक्त मौजूदगी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 जनवरी। ग्रेटर नोएडा में आयोजित वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स (WOFA)–2.0 में आईसीएआई उदयपुर शाखा (सीआईआरसी) के लगभग 25 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने सक्रिय सहभागिता करते हुए पेशेवर क्षमता और संगठनात्मक मजबूती का प्रभावी प्रदर्शन किया। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल (सीआईआरसी) क्षेत्र में पहली बार आयोजित किया गया, जिसे चार्टर्ड अकाउंटेंसी पेशे के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। आईसीएआई उदयपुर शाखा के अध्यक्ष सीए राहुल माहेश्वरी ने बताया कि वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स जैसे वैश्विक मंच चार्टर्ड अकाउंटेंसी पेशे को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के साथ-साथ सदस्यों को वैश्विक स्तर पर हो रहे आर्थिक, तकनीकी और नियामकीय परिवर्तनों से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सम्मेलन सदस्यों को निरंतर सीखने और बदलते व्यावसायिक परिवेश के अनुरूप स्वयं को अपडेट रखने के लिए प्रेरित करते हैं। शाखा के उपाध्यक्ष सीए चिराग धर्मावत ने जानकारी दी कि यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 30 व 31 जनवरी तथा 1 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 50 से अधिक तकनीकी और प्रोफेशनल सत्र रखे गए हैं। इन सत्रों में कराधान, ऑडिट, फाइनेंस, टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सस्टेनेबिलिटी, लीडरशिप और प्रोफेशनल डेवलपमेंट जैसे समसामयिक व भविष्य उन्मुख विषयों पर देश-विदेश के ख्यातिप्राप्त वक्ता अपने विचार साझा कर रहे हैं। उदयपुर शाखा के कोषाध्यक्ष सीए सौरभ गोलछा ने बताया कि वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स चार्टर्ड अकाउंटेंसी पेशे को समर्पित एक अग्रणी वैश्विक मंच है, जो आर्थिक विकास, सुशासन और वित्तीय पारदर्शिता को सुदृढ़ करने में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। यह मंच जिम्मेदार नवाचार, वित्तीय स्थिरता और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ नैतिकता और पारदर्शिता के प्रति पेशे की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। सम्मेलन में उदयपुर शाखा से पूर्व अध्यक्ष सीए अभिषेक संचेती, सीए रौनक जैन, पूर्व सीआईआरसी चेयरमैन सीए देवेंद्र सोमानी, सीए राजन बाया, सीए विशाल मेनारिया, सीए वात्सल्य सोनी, सीए अंतरिक्ष सुराणा सहित अन्य सदस्यों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। उनकी उपस्थिति ने सीआईआरसी क्षेत्र की सक्रियता, संगठनात्मक एकजुटता और सतत प्रोफेशनल विकास के प्रति प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया।

पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान के लिए आवेदन आमंत्रित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, निदेशालय महिला अधिकारिता द्वारा अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस-2026 के अवसर पर 8 मार्च, 2026 को महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजनान्तर्गत राज्य एवं जिला स्तर पर सम्मान के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उपनिदेशक महिला अधिकारिता संजय जोशी ने बताया कि यह पुरस्कार व्यक्तिगत श्रेणी/संस्थागत वर्ग में विभिन्न श्रेणियों में दिये जाएंगे। इसमें दानदाता/सीएसआर, महिला एवं बाल विकास कर्मियों की श्रेणी-साथिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, सहायिका, उड़ान योजनान्तर्गत माहवारी स्वास्थ्य एवं प्रबन्धन जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्ति/संस्था, उड़ान योजनान्तर्गत सेनेटरी नैपकीन उत्पादन में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ एस.एच.जी आदि शामिल हैं। राज्य स्तर पर आवेदन करने वाले इच्छुक व्यक्ति/संस्था अपना आवेदन 5 फरवरी 2026 को शाम 5 बजे तक ई-मेल पीएसएसवायअवार्डस् एड जीमेल डॉट कॉम पर प्रेषित करते हैं। साथ ही जिला स्तर के लिए कार्यालय उपनिदेशक, महिला अधिकारिता, उदयपुर में 5 फरवरी 2026 को शाम 5 बजे तक जमा कराए जा सकते हैं। आवेदन प्रपत्र एवं दिशा-निर्देश विभागीय वेबसाइट मेल पर उपलब्ध हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे को मिला नया संचार चेहराः अमित सुदर्शन बने मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के जनसम्पर्क तंत्र को नई दिशा देने की जिम्मेदारी अब भारतीय रेलवे यातायात सेवा के युवा और अनुभवी अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के कंधों पर आ गई है। उन्होंने शुक्रवार को उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी (सीपीआरओ) के रूप में विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। श्री सुदर्शन ने यह पद निवर्तमान सीपीआरओ श्री शशि किरण से संभाला।

रेलवे प्रशासन में तेज़ निर्णय क्षमता और ज़मीनी अनुभव के लिए पहचाने जाने वाले अमित सुदर्शन वर्ष 2015 बैच के आईआरटीएस अधिकारी हैं। सीपीआरओ बनने से पूर्व वे उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय में उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवाएं एवं यात्री विपणन) के रूप में कार्यरत थे, जहां यात्री सुविधाओं और विपणन से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों में उनकी सक्रिय भूमिका रही।

तकनीकी और प्रबंधन—दोनों क्षेत्रों की मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि रखने वाले श्री सुदर्शन ने आईआईटी रुड़की से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक तथा आईआईएम कोलकाता से पीजीडीबीए किया है। यही संतुलन उनके प्रशासनिक कार्यों में भी दिखाई देता है।

रेलवे के वाणिज्य और परिचालन क्षेत्र में उन्हें व्यापक अनुभव प्राप्त है। अपने करियर में वे सहायक वाणिज्य प्रबंधक (झांसी), मंडल परिचालन प्रबंधक (आगरा), मंडल परिवहन प्रबंधक एवं उप मुख्य परिवहन प्रबंधक (टूंडला) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।

विशेष रूप से महाकुंभ आयोजन के दौरान टूंडला में उप मुख्य परिवहन प्रबंधक रहते हुए विशेष ट्रेनों के सफल संचालन में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। इसके अलावा आगरा और टूंडला में कार्यकाल के दौरान डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFCC) पर ट्रेनों के परिचालन को सुचारु बनाने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई।

बधाई हो!! नगर निगम के कर्मचारियों ने लिया-ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भाव के साथ काम करने प्रण!



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुरवासियों के लिए यह निस्संदेह एक स्वर्णिम और ऐतिहासिक अवसर है। हम तो कहेंगे कि जश्न मनाने का सुनहरा मौका है। नगर निगम उदयपुर के अधिकारियों और कर्मचारियों ने आज शहीद दिवस पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए जो प्रण लिया है, उससे अब शहर की जनता की उम्मीदों को नए पंख लग गए हैं। इस प्रण के स्मरण मात्र से जनता अब गदगद हो सकती है, बल्लियां उछल सकती हैं। जनता अब निगम में से पारदर्शिता, जवाबदेही और विश्वासनीयता जैसे आउट डेटेड हो चुकी बातों की फिर से एंट्री की उम्मीद कर सकती है। अब विकास का पहिया चलेगा नहीं, दौड़ेगा और जनता पहिये पर सवारी का मजा भी ले सकेगी। हर काम में गांधी छाप के भीषण महा—प्रयोग के जो आरोप अब तक दबी जुबां में लगते थे अब इस ताजा संकल्प से वे सब हवा हवाई हो जाएंगे। सब कुछ एकदम नीट एंड क्लीन हो जाएगा—स्वच्छ भारत का है इरादा... जैसा।

नगर निगम बोर्ड बैठक हॉल में आज दो मिनट का मौन रखा गया, गांधीजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और फिर— ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भाव के साथ काम करने का सभी कर्मचारियों ने प्रण ले लिया। इस प्रण को लेने की सूचना मिलते ही शहर में खुशियों का वेलेंटाइन सा आ गया है। उस नगर निगम के कर्मचारियों ने ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भाव के साथ काम करने का प्रण लिया है जहां कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत के चलते फाइलें खुद चलकर गायब हो जाती हैं। एक कड़क आईएएस अफसर की नाक के नीचे से फाइलें चलते—चलते यूं ही मूड फ्रेश करने के लिए नजरों से ओझल हो जाया करती हैं। नोटिस के घोड़े दौड़ा—दौड़ा कर थक जाने पर भी आयुक्त साहब को नजर नहीं आ रही हैं। जहां पर कार्मिक धैर्य रूपी गाल थप्पड़ खाकर लाल तो हो जाता है मगर उसके बाद भी ना जाने क्यों एकदम चुपचाप बैठ जाता है। जहां आरटीआई लगाने वाले आम आदमी को घनचक्कर बनाकर धोबी पछाड़ दे दिया जाता है। और तो और वकीलों तक को चक्रव्यूह में फंसाकर ऐसी की तैसी कर दी जाती है। और उन सबसे ज्यादा गंभीर, जहां कुछ अदृश्य शक्तियों के प्रभाव में कुछ फाइलें रेंगती हैं, कुछ पैदल चलती हैं, कुछ रिजेक्ट हो जाती हैं तो कुछ तो आवेदन से पहले ही दौड़ पड़ती हैं। काम के दो हाईवे दिखते हैं यहां। एक पर खूब स्पीड ब्रेकर हैं तो दूसरे पर टोल वाली चकाचक सड़क। इस चकाचक सड़क पर श्रद्धा के अनुसार फाइलों के एक्सीलेटर का कांटा स्पीड पकड़ता रहा है। पब्लिक परसेप्शन हैं कि जवाबदेही की चिड़ियां यहां दैनिक दाना—पानी के इंतजाम के बिना उड़ ही नहीं पाती हैं। जहां पर राजनीतिक और प्रशासनिक रण बांकुरे 272 प्लॉटों के साथ 'मारदड़ी का मीठा लाडू' खेलते नजर आते हैं। और दर्शक दीर्घा में एसीबी सहित अन्य एजेंसियां चीयर करती नजर आती हैं। जहां के पूर्व आयुक्त के भ्रष्टाचार पर विधायक साहब विधानसभा के पटल पर चीख—चीख कर कच्चे चिट्ठी रख आते हैं। मगर उनका बाल बांका भी नहीं होता, उल्टे प्रमोशन की फाइल आगे सरक जाती है। उस महान उदयपुर नगर निगम में आज राष्ट्रपति महात्मा गांधी की प्रेरणा से ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भाव के साथ काम करने की शपथ लेना कोई मामूली अवसर नहीं हैं। देखा जाए तो ऐसे अवसर बरसों में कभी आते हैं। लेकिन अब— प्रण लिया जा चुका है। तो उम्मीद की ही जानी चाहिए कि निगम कार्यालय में घुसते ही नागरिक को कल आइए जैसा कोई शब्द नहीं सुनना पड़ेगा। फाइलें खुद ब खुद मेज से मेज पर घूम—घूम कर हनी—मून मनाने की बजाय सीधे नतीजों तक पहुंच जाएगी। जो फाइलें गुम हैं वे खुद आयुक्त साहब के दरवाजे पर दस्तक देकर कहेंगी—देखों हम लौट आए हैं। अब तो फलां—फलां को बख्श दो। और सबसे बड़ी बात दलालों की, तो दलालों को अब लगता है नगर निगम परिसर में घुसने की अनुमति ही नहीं मिलने वाली। हर काम सत्यपथ से होकर चलेगा, बीच में आर्थिक ज्वाला का धधकता अग्निपथ अब कहीं नहीं दिखाई देगा। सत्य जब बोलेगा तो झूठ वैसे ही मुंह छिपा कर भाग छूटेगा। काम झटपट होंगे, बिना किसी आर्थिक नुकसान के। चूँकि प्रण सार्वजनिक रूप से लिया गया है, इसलिए अब शहरवासी आशावान हैं—और उम्मीद भी करेंगे। आख़िर गांधीजी के नाम पर लिया गया प्रण है, इसे निभाना भी तो गांधीवादी ही होना चाहिए। अब देखना यह है कि यह प्रण केवल दो मिनट के मौन जितना छोटा साबित होता है या उदयपुर की जनता के लिए वाकई लंबी राहत की शुरुआत का नया जरिया बनता है। हम भी गांधीजी का प्रिय भजन जप कर गाते हैं....सबको सन्मति दे भगवान....।

सीटीएई कॉलेज में सड़क सुरक्षा का पाठः युवाओं को दिलाई जिम्मेदारी की शपथ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। 37वें सड़क सुरक्षा माह के तहत शुक्रवार को सीटीएई कॉलेज, उदयपुर में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को यातायात नियमों की महत्ता और सुरक्षित ड्राइविंग के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में जिम्मेदार नागरिक के रूप में सोच विकसित करना और सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती चुनौती पर अंकुश लगाना रहा। कार्यक्रम में परिवहन विभाग, उदयपुर के आरटीओ इंस्पेक्टर श्री घनश्याम मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क पर की गई छोटी-सी लापरवाही भी पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है। यातायात नियमों का पालन केवल दंड से बचने का उपाय नहीं, बल्कि स्वयं और समाज की सुरक्षा से जुड़ी नैतिक जिम्मेदारी है। विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में IDTR–अशोक लीलैंड वाहन चालक प्रशिक्षण संस्थान, रेलमगरा से श्री महेश चौधरी ने आधुनिक सड़क सुरक्षा उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग के खतरों तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के दुष्परिणामों को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों से "पहले सुरक्षा, फिर गति" के सिद्धांत को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज के डीन श्री सुनील जोशी ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान केवल अकादमिक ज्ञान देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज को जागरूक, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक देने की भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्वागत उद्बोधन कॉलेज के एडीएसडब्ल्यू श्री विक्रमादित्य दवे ने प्रस्तुत किया। कॉलेज के लगभग 130 विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने, स्वयं सुरक्षित रहने तथा दूसरों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई।

इसी क्रम में 30 जनवरी को सीटीएई कॉलेज में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर गांधीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौन उपरांत डीन डॉ. सुनील जोशी ने स्वतंत्रता संग्राम में गांधीजी के योगदान पर प्रकाश डाला, जबकि एडीएसडब्ल्यू डॉ. विक्रमादित्य दवे ने विद्यार्थियों से गांधीजी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। विद्यार्थियों ने राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। यह जानकारी जनसंपर्क अधिकारी डाक्टर जीएल मीणा ने दी।

एमपीयूएटी में शहीद दिवसः मौन के माध्यम से राष्ट्रपिता और शहीदों को किया नमन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमपीयूएटी), उदयपुर में शहीद दिवस श्रद्धा, संयम और राष्ट्रीय चेतना के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों और इकाइयों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों को स्मरण किया गया। मुख्य आयोजन सामुदायिक एवं व्यावहारिक विज्ञान महाविद्यालय में हुआ, जहाँ कुलगुरु डॉ. प्रताप सिंह धाकड़, डीन डॉ. धृति सोलंकी, संकाय सदस्य एवं विद्यार्थियों ने दो मिनट का मौन रखकर महात्मा गांधी सहित सभी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौन के दौरान उपस्थितजनों ने गांधीजी के सत्य, अहिंसा और मानवता आधारित विचारों को स्मरण किया। शहीद दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक विकास ब्लॉक, डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, मृदा विज्ञान विभाग तथा राजस्थान कृषि महाविद्यालय सहित एमपीयूएटी की विभिन्न इकाइयों में भी शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों तथा छात्रों ने सहभागिता निभाई। सभी स्थानों पर एक साथ मौन रखकर राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले वीरों को नमन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि शहीद दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को देशभक्ति, कर्तव्य और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का अवसर है। महात्मा गांधी के आदर्श आज भी समाज और राष्ट्र के लिए मार्गदर्शक हैं, जिन्हें जीवन में अपनाकर ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है। यह जानकारी एमपीयूएटी के पीआरओ डाक्टर जीएल मीणा ने दी।

राष्ट्र है तो व्यक्ति है, समाज है, धर्म है, परिवार है आचार्य पुलक सागर महाराज



24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। राष्ट्र है तो व्यक्ति है, समाज है, धर्म है और परिवार है—ये विचार आचार्य पुलक सागर महाराज ने नगर के ऋषभ वाटिका में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में व्यक्त किए। आचार्य ने कहा कि दुनिया में दो ही प्रकार के लोग याद रखे जाते हैं—एक वे जो कुछ लिखकर जाते हैं और दूसरे वे जिन पर बहुत कुछ लिखा जाता है। राम, कृष्ण, महावीर और बुद्ध ने अपने जीवन में कुछ नहीं लिखा, लेकिन इन महापुरुषों पर आज भी बहुत कुछ लिखा जा रहा है। आचार्य ने कहा कि भगवान राम ने स्वयं कुछ नहीं लिखा, लेकिन वाल्मीकि, तुलसीदास, रविसेन की पद्मपुराण और जीणसेन की आदिपुराण जैसी रचनाएं राम पर लिखी गईं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभक्ति हमारे भीतर जागृत होनी चाहिए। पार्टीबाजी या किसी पंथवाद में नहीं जाना है, केवल भारत देश को मजबूत बनाना है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक जो भी है, वह सब सनातनी है। आचार्य ने कहा कि भारत की इस धरती को भारत माता के नाम से जाना जाता है। जब तक भारत में डॉ. हेडगेवार और गुरुजी जैसे सपूतों का नाम है, तब तक कश्मीर जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि हमारे हाथों की लकीर है। अपनी तकदीर किसी और को कैसे दे सकते हैं। उन्होंने गीता को पवित्र ग्रंथ बताते हुए कहा कि गीता न महलों में लिखी गई और न जंगलों में, बल्कि युद्ध के मैदान में लिखी गई, जहां से अहिंसा, शांति और आत्मा की अमरता का संदेश मिलता है। आचार्य ने कहा कि जब वे संघ के बीच बोलते हैं तो उन्हें ऐसा लगता है जैसे भारत के बीच बोल रहे हों। संघ कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है, न ही यह वोट बैंक की राजनीति करता है। संघ देश को मजबूती देने वाले सच्चे सपूतों का संगठन है। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों में हिंदू समाज के लोग हैं, ऐसे में हिंदू सम्मेलन में हिंदुओं के हित की बात करना सांप्रदायिक कैसे हो सकता है। अतीत की भूलों से सीख लेकर भविष्य का निर्माण करना ही हिंदू सम्मेलन का उद्देश्य है। आज जनजातीय क्षेत्रों में हिंदू को हिंदू से तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ऐसे समय में हिंदू सम्मेलन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आचार्य ने कहा कि भारत देश जाति, पार्टी और क्षेत्र में बंटता जा रहा है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि भारत को भारत ही रहने दिया जाए, जातियों में बांटने का प्रयास न किया जाए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब देश में हिंदू हैं तो गौहत्या क्यों हो रही है, भारत माता को अपशब्द क्यों कहे जाते हैं और तिरंगे का अपमान क्यों होता है। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोग लाइन में खड़े हो जाते हैं, लेकिन वंदे मातरम् गाने के समय पीछे क्यों हट जाते हैं। प्रारंभ में चित्तौड़ प्रांत प्रचारक मुरलीधर ने कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर देशभर में 80 हजार से अधिक हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। सम्मेलन के प्रारंभ में 18 हजार दशा हुमड़ समाज के अध्यक्ष दिनेश खोड़निया ने स्वागत उद्बोधन दिया। बांसवाड़ा विभाग प्रचारक विकास राज, जिला प्रचारक निखिल, नगर संघचालक उमाकांत व्यास, अनुराग पाठक, सेठ महेश नोगामिया, कीर्ति भाई शाह, पवन गोवाडिया, वैभव गोवाडिया, नपा अध्यक्ष आशीष गांधी, पूर्व सांसद कनकमल कटारा, श्याम भट्ट, केपी सिंह, यशवंत गवारिया, बदामीलाल मेहता, दिलीप कोठारी, नानालाल दर्जी, प्रतिष्ठाचार्य विनोद पगारिया, ब्रह्मचारी सुरेश भैया, प्रकाश व्यास, जितेंद्र खटीक, जलज पंड्या, कुलदीप गांधी, विजयकुमार जैन, देवशंकर सुथार, जितेंद्र सुथार, हरीश सोमपुरा, दिनेश जांगा एवं चंद्रशेखर संघवी सहित बड़ी संख्या में संघ कार्यकर्ता व नागरिक उपस्थित रहे।

राजकीय आदर्श आयुर्वेद औषधालय : शहीद दिवस पर मौन, स्मृति और संकल्प का संगम



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सिंधी बाज़ार स्थित राजकीय आदर्श आयुर्वेद औषधालय में शहीद दिवस गरिमामय और आत्ममंथन के वातावरण में मनाया गया। यह आयोजन महज़ औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक चेतना को स्मरण करने का प्रयास था, जिसने देश को त्याग, सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया।

कार्यक्रम का आरंभ दो मिनट के मौन से हुआ। यह मौन केवल शहीदों को श्रद्धांजलि नहीं था, बल्कि वर्तमान पीढ़ी की ओर से उनके बलिदान के प्रति एक नैतिक स्वीकारोक्ति भी था। इसके पश्चात 'रघुपति राघव राजा राम' की धुन के बीच राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें स्मरण किया गया—एक ऐसे विचार के प्रतीक के रूप में, जिसने हिंसा के युग में भी मानवता की आवाज़ को जीवित रखा।

औषधालय प्रभारी एवं वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. शोभालाल औदीच्य ने अपने संबोधन में कहा कि शहीद दिवस हमें केवल अतीत को याद करने का अवसर नहीं देता, बल्कि वर्तमान को परखने और भविष्य को दिशा देने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के लिए जीवन अर्पित करने वाले वीरों का स्मरण तभी सार्थक है, जब हम उनके आदर्शों—कर्तव्यनिष्ठा, सेवा और नैतिक साहस—को अपने आचरण में उतारें।

कार्यक्रम में चिकित्सकीय स्टाफ, कर्मचारियों, नागरिकों और उपचारार्थ आए रोगियों की उपस्थिति ने आयोजन को सामूहिक चेतना का रूप दिया। डॉ. लेखा खत्री, डॉ. चेतन सुथार, वरिष्ठ नर्स इंदिरा डामोर, वरिष्ठ कम्पाउंडर कंचन कुमार डामोर एवं परिचारक गजेन्द्र आमेटा सहित उपस्थित सभी ने श्रद्धा और अनुशासन के साथ सहभागिता निभाई।



24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।